नई शिक्षा नीति छात्रों में बढ़ाएगी नैतिक जिम्मेदारी: डॉ.भीमराया मैत्री

हिन्द आत्मा संवाददाता

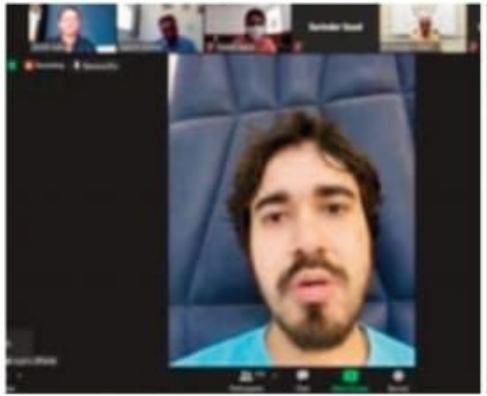

गाजियाबाद। आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी मुरादनगर में ई सेमिनार नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 फ्यूचरिस्टिक विजन ऑफ इंडिया का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत आईटीएस दी एजुकेशन ग्रुप के परिचय तथा राष्ट्रीय गान से हुई कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. सदीश कुमार ने सेमिनार के उद्देश्य के बारे में बताया तथा कॉलेज का संक्षिप्त परिचय दिया। इस अवसर पर आईटएस दी एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने इस सेमिनार के महत्व पर प्रकाश डाला और साथ ही साथ नेशनल एजुकेशन पॉलिसी का प्रभाव आने वाले दिनों में भारत की शिक्षा प्रणाली पर क्या पड़ेगा इसके बारे में विस्तार से अवगत कराया तथा कहा कि जिस भी तरह की आधारभूत संरचना और विकास हेतु जो भी जरूरत होगी कॉलेज उसके लिए पूरी तरह से तैयार है।

इस अवसर पर कॉलेज के डायरेक्टर, पीआर सुरेंद्र सूद ने कहा एजुकेशन पॉलिसी भारत के भविष्य के लिए बहुत ही अच्छा होगी और इससे रोजगार के क्षेत्र में वृद्धि होगी।सेमिनार में अतिथि डॉ अकील बुसराई, सीईओ अकील, बुसराई कंसलटिंगद्ध ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी पर उन्होंने कहा न्यू एजुकेशन पॉलिसी 2020 आज के समय में भारत की आवश्यकता है क्योंकि मौजूदा शिक्षा प्रणाली सिर्फ कागज की डिग्रियां देने तक सीमित हो गई थी। नई नीति शिक्षा एवं उद्योग जगत की आवश्यकताओं के बीच की खाई को पाटने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत के विशेषज्ञों को भी इस एजुकेशन पॉलिसी में सर्टिफिकेशन प्रोग्राम को बनाने में शैक्षिक जगत की मदद करनी चाहिए।प्रोफेसर संदीप संचेतीय प्रोवोस्ट वाइस चांसलर मारवाड़ी यूनिवर्सिटी राजकोट के नेशनल एजुकेशन पॉलिसी को विस्तार से समझाया। उन्होंने एकेडमिक इंडस्ट्री इंडक्शन प्रोग्राम तथा एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट पर विशेष जोर दिया।प्रोफेसर अमेरिटस डा तरुण कांत आईआईटी मुंबई ने नई शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के तरीकों पर जोर देने को कहा उन्होंने कहा कि इस तरह की पॉलिसी के क्रियान्वयन में बहुत सारे चैलेंज हैं, जिनके लिए सरकार को सोचना होगा।उन्होंने कहा कि नए एजुकेशन पालिसी की जगह पर पुराने एजुकेशन पॉलिसी को ही पुनर्गठन करने की और सशक्त बनाने की जरूरत है। डॉक्टर भीमरेया मैत्री (डायरेक्टर, आईआईएम नागपुर) ने इस अवसर पर बोलते हुए, नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह अमेरिकन और यूरोपियन सिस्टम ऑफ एजुकेशन से इसकी तुलना करते हुए लर्निंग आउटकम के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कॉलेज के शिक्षक, शिक्षिकाएं, छात्र एवं छात्राओं सहित लगभग 400 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रो डा. राधा गोयल, एसोसि प्रो डा राजकुमारी, असि. प्रो मिस स्वीटी खाना ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम के अंत में डॉ प्रवीण गौर डीन, आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी ने सबका धन्यवाद ज्ञापित किया कार्यक्रम के सफल संचालन में डॉक्टर मनोज कुमार शर्मा का विशेष योगदान रहा।

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी पर ई-सेमिनार

मुरादगर। आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में शनिवार को शीर्षक नेशनल एजुकेश पॉलिसी फ्यूचरिस्टिक विजन ऑफ इंडिया पर ई-सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में कॉलेज के शिक्षक, छात्र समेत 400 लोगों ने प्रतिभाग किया। सेमिनार में वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने बताया कि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी का प्रभाव आने वाले दिनों में भारत की शिक्षा प्रणाली पर क्या पड़ेगा, इसके बारे में विस्तार से बताया। निदेशक डॉ. सदीश कुमार ने सेमिनार के उदेश्य के बारे में बताया। निदेशक पीआर सुरेंद्र सूद, डा.अकील बुसराई, संदीप संचेतीय, डा.तरूण कांत, डॉ.भीमरेया मैत्री आदि ने अपने विचार रखे। डा.राधा गोयल, डा.राजकुमारी, स्वीटी बाना, डॉ.मनोज शर्मा आदि मौजूद रहे। संवाद

आई.टी.एस. कॉलेज ऑफ फामेर्सी मुरादनगर.....

नई एजुकेशन पॉलिसी छात्रों में नैतिक जिम्मेदारी को बढ़ाऐगी: डॉ.भीमराया मैत्री

जन सागर टुडे संवाददाता

मुरादनगर। आई.टी.एस. कॉलेज ऑफ फामेर्सी मुरादनगर में एक ई सेमिनार जिसका शीर्षक नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 फ्यूचरिस्टिक विजन ऑफ इंडिया का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत आई.टी.एस. दी एजुकेशन ग्रुप के परिचय तथा राष्ट्रीय गान से शुरू हुआ। जिसके स्वागतीय संबोधन में कॉलेज के डायरेक्टर डॉ सदीश कुमार ने सेमिनार के उद्देश्य के बारे में बताया तथा कॉलेज का संक्षिप्त परिचय करवाया।

इस अवसर पर उपस्थित आई.टी.एस दी एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने इस सेमिनार के महत्व पर प्रकाश डाला और साथ ही साथ नेशनल एजुकेशन पॉलिसी का प्रभाव आने वाले दिनों में भारत की शिक्षा प्रणाली पर क्या पड़ेगा। इसके बारे में विस्तार से अवगत कराया तथा कहा कि जिस भी तरह की आधारभूत संरचना और विकास हेतु जो भी जरूरत होगी कॉलेज उसके लिए पूरी तरह से तैयार है।

इस अवसर पर बोलते हुए मिस्टर सुरेंद्र सूद (डायरेक्टर, पी आर आई.टी.एस. दी एजुकेशन ग्रुप) ने कहा कि निश्चित ही यह एजुकेशन पॉलिसी भारत के भविष्य के लिए बहुत ही अच्छा होगा और इससे रोजगार के क्षेत्र में वृद्धि होगी। सेमिनार में बोलते हुए अतिथि वक्ता डॉ अकील बुसराइ, सीईओ अकील, बुसराई कंसलटिंगद्ध ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा न्यू एजुकेशन पॉलिसी 2020 आज के समय में भारत की आवश्यकता है। क्योंकि मौजूदा शिक्षा प्रणाली सिर्फ कागज की डिग्रियां देने तक सीमित हो गई थी। नई नीति शिक्षा जो षिक्षा एवं उद्योग जगत की आवश्यकताओं के बीच की खाई को पाटने का काम करेगी उन्होंने कहा कि उद्योग जगत के विशेषज्ञों को भी इस एजुकेशन पॉलिसी में सर्टिफिकेशन प्रोग्राम को बनाने में शैक्षिक जगत की मदद करनी चाहिए और बच्चों में क्वालिटी शिक्षा देने का कार्य शैक्षिक जगत की तरफ से होना चाहिए।

प्रोफेसर संदीप संचेतीय प्रोवोस्ट वाइस चांसलर मारवाड़ी यूनिवर्सिटी राजकोट के नेशनल एजुकेशन पॉलिसी को विस्तार से समझाया और यह भी बताया कि इन एजुकेशन पॉलिसी का क्रियान्वयन कैसे होना है उन्होंने एकेडमिक इंडस्ट्री इंडक्शन प्रोग्राम तथा एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट पर जोर देते हुए इसे विस्तार से बताया। प्रोफेसर अमेरिटस डा0 तरुण कांत आईआईटी मुंबई ने नई शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के तरीकों पर जोर देने को कहा उन्होंने कहा कि इस तरह की पॉलिसी के क्रियान्वयन में बहुत ढेर सारे चैलेंज हैं, जिनके लिए सरकार को सोचना होगा। और इसके क्रियान्वयन के लिए एक ईमानदारी भरे प्रयास की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि नए एजुकेशन पालिसी की जगह पर पुराने एजुकेशन पॉलिसी को ही पुनर्गठन करने की और सशक्त बनाने की जरूरत है।

डॉक्टर भीमरेया मैत्री, (डायरेक्टर,आईआईएम नागपुर) ने इस अवसर पर बोलते हुए , नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के बारे में विस्तार से चर्चा की, उन्होंने कहा कि यह अमेरिकन और यूरोपियन सिस्टम ऑफ एजुकेशन से इसकी तुलना करते हुए लर्निंग आउटकम के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कॉलेज के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं सहित सभी छात्र एवं छात्राओं सहित लगभग 400 लोगों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में प्रो. डा. राधा गोयल, एसोसि. प्रो. डा. राजकुमारी, असि. प्रो. मिस स्वीटी बाना ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कार्यक्रम के अंत में डॉ प्रवीण गौर डीन,(आई.टी.एस, कॉलेज ऑफ फामेर्सी) ने सबका धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में डॉक्टर मनोज कुमार शर्मा का विशेष योगदान रहा।

आईटीएस कॉलेज मे नेशनल एजुकेश पॉलिसी पर ई-सेमिनार

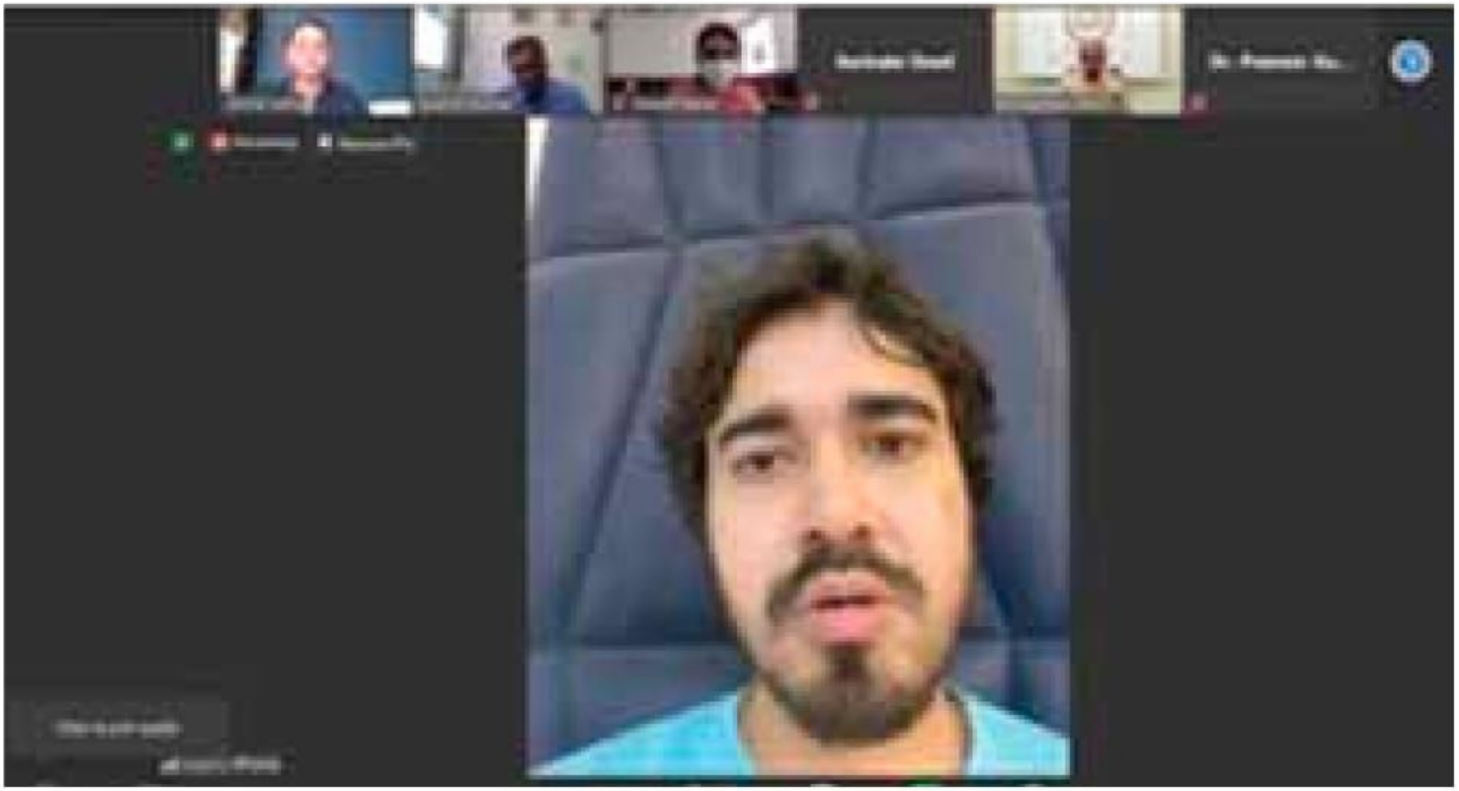

मनस्वी वाणी संवाददाता

मुरादगर। आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी में शीर्षक नेशनल एजुकेश पॉलिसी फ्यूचरिस्टिक विजन ऑफ इंडिया पर ई-सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में कॉलेज के शिक्षक, छात्र समेत 400 लोगों ने प्रतिभाग किया। सेमिनार में वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी का प्रभाव आने वाले दिनों में भारत की शिक्षा प्रणाली पर क्या पड़ेगा, इसके बारे में विस्तार से बताया। निदेशक डा. सदीश कुमार ने सेमिनार के उदेश्य के बारे में बताया। इस मौके पर निदेशक पीआर सुरेंद्र सूद, डा. अकील बुसराई, संदीप संचेतीय, डा.तरूण कांत, डा.भीमरेया मैत्री आदि ने अपने विचार रखे। वेबिनार में डा.राधा गोयल, डा.राजकुमारी, स्वीटी बाना, डा.मनोज शर्मा आदि मौजूद रहे।

शीर्षक नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 फ्यूचरिस्टिक विजन ऑफ इंडिया का आयोजन किया

गाज़ियाबाद (धारा न्यूज)। कार्यक्रम की शुरुआत आईटीएस० दी एजुकेशन ग्रुप के परिचय तथा राष्ट्रीय गान से शुरू हुआ जिसके स्वागतेय संबोधन में कॉलेज के डायरेक्टर डॉ सदीश कुमार ने सेमिनार के उद्देश्य के बारे में बताय तथा कॉलेज का संक्षिप्त परिचय करवाया इस अवसर पर उपस्थित आईठएस० दी एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने इस सेमिनार के महत्व पर प्रकाश डाला और साथ ही साथ नेशनल एजुकेशन पॉलिसी का प्रभाव आने वाले दिनों में भारत की शिक्षा प्रणाली पर क्या पड़ेगा इसके बारे में विस्तार से अवगत कराया तथा कहा कि जिस भी तरह की आधारभूत संरचना और विकास हेतु जो भी जरूरत होगी कॉलेज उसके लिए पूरी तरह से तैयार है। इस अवसर पर बोलते हुए मिस्टर सुरेंद्र सूद (डायरेक्टर पी आर आईटीठएस० दी एजुकेशन ग्रुप) ने कहा की, निश्चित ही यह एजुकेशन पॉलिसी भारत के भविष्य के लिए बहुत ही अच्छा होगा और इससे रोजगार के क्षेत्र में वृद्धि होगी

सेमिनार में बोलते हुए अतिथि वक्ता डॉ अकील

बुसराइ, सीईओ अकील, बुसराई कंसलटिंगद्ध ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा न्यू एजुकेशन पॉलिसी 2020 आज के समय में भारत की आवश्यकता है। क्योंकि मौजूदा शिक्षा प्रणाली सिर्फ कागज की डिग्रियां देने तक सीमित हो गई थी। नई नीति शिक्षा जो शिक्षा एवं उद्योग जगत की आवश्यकताओं के बीच की खाई को पाटने का काम करेगी उन्होंने कहा कि उद्योग जगत के विशेषज्ञों को भी इस एजुकेइन पॉलिसी में सर्टिफिकेशन प्रोग्राम को बनाने में शैक्षिक जगत की मदद करनी चाहिए और बच्चों में क्वालिटी शिक्षा देने का कार्य शैक्षिक जगत की तरफ से होना चाहिए। डॉक्टर भीम्रेया मैत्री, (डायरेक्टर, आईआईएम नागपुर) ने इस अवसर पर बोलते हुए , नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के बारे में विस्तार से चर्चा की, उन्होंने कहा कि यह अमेरिकन और यूरोपियन सिस्टम ऑफ एजुकेशन से इसकी तुलना करते हुए लर्निंग आउटकम के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कॉलेज के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं सहित सभी छात्र एवं छात्राओं सहित लगभग 400 लोगों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में प्रो० डा० राधा गोयल, एसोसि० प्रो० डा० राजकुमारी, असि० प्रो० मिस स्वीटी बाना ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कार्यक्रम के अंत में डॉ प्रवीण गौर डीन, , (आई.टी.एस, कॉलेज ऑफ फार्मेसी) ने सबका धन्यवाद ज्ञापित किया कार्यक्रम के सफल संचालन में डॉक्टर मनोज कुमार शर्मा का विशेष योगदान रहा।